



सत्यमेव जयते

CA
16/4/86

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 211]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 28, 1986/वैशाख 8, 1908

No. 211]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 28, 1986/VAISAKHA 8, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1986

अधिसूचनाएं

सं. 365/86 सामा-शुल्क

सा. का. नि. 634 (अ) :—केन्द्र सरकार, सामा-शुल्क अधि-
नियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि
लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सामा शुल्क टैरिफ अधिनियम,
1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूची के अध्याय 28 के अन्तर्गत
आने वाले लैम्प काजल और कर्बन काजल को, जब भारत में उसका
आयात मुद्रण स्थान या काले पेन्टों (जिन्हें इसमें इसने परवाह आयातित
माल कहा गया है) के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहला अनुसूची
में विनिर्दिष्ट के अनुसार उन पर उद्ग्रहण्य सामा शुल्क के उतने भाग से
जितना मूल्य के 55 प्रतिशत से अधिक है, इस शर्त के अधिन रहते
हिए छूट देता है कि आयातकर्ता इस आशय का वचन पत्र प्रस्तुत करता
है कि :—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन
लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए
गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब
सहायक सामा शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट राशि से रखा
जाएगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित
संक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर
में प्राप्त के साक्ष्य के रूप में 3 मास का अवधि या ऐसा
बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सामा-शुल्क कलक्टर
अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर का शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने
में असफल रहने का दशा में, माग किए जाने पर, उक्त
रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतिम छूट
के न दिए जाने का दशा में उक्त आयातित माल का ऐसा
मात्रा पर उद्ग्रहण्य शुल्क और आयात के समय पहले हा
संदन शुल्क के अंतर के बराबर हो।

[सा. सं. 528/5/86-सा. शु. (टी. यू. 1)

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 28th April, 1986

NOTIFICATIONS

No. 265/86-CUSTOMS

G.S.R. 684(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lamp black and carbon black falling within Chapter 28 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of printing ink or black paints (hereinafter referred to as the imported goods), from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 55 per cent ad valorem, subject to the condition that importer furnishes an undertaking to the effect that :—

- (a) the imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 266/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 685 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 37 के अंतर्गत आने वाले रंगीन जम्बो फिल्मों को, जब भारत में उनका आयात रंगीन सिने फिल्मों के प्रसंस्करण के लिए किया जाए, उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहण्य सीमा-शुल्क के उतने भाग से छूट देता है जितना मूल्य के 50 प्रतिशत से अधिक है परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त रंगीन जम्बो फिल्मों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; और
- (ख) वह, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने का दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का मंदाय करेगा जो

जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने का, दशा में उक्त आयातित माल का ऐसा भाग पर उद्ग्रहण्य शुल्क और आयात के समय पहले ही संवत् शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।

[फा. सं. 528/5/86-सा. शु. (टा. य.)]

No. 266/86-CUSTOMS.

G.S.R. 685(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts colour jumbo films falling within Chapter 37 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for processing into colour cine films, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of 50 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said colour jumbo films shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 267/86-सा. मा-शुल्क

सा. का. नि. 686 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 39 के अंतर्गत आने वाले सेलुलोज ऐसिटेड प्रणों (फ्लेक) को, जब भारत में उनका आयात सेलुलोज ऐसिटेड ढालने के दानों के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहण्य सीमा-शुल्क के उतने भाग से छूट देता है जितना मूल्य के 50 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है, परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; और
- (ख) वह, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने का दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का मंदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने का, दशा में उक्त आयातित माल का ऐसा भाग पर उद्ग्रहण्य शुल्क और आयात के समय पहले ही संवत् शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।

[फा. सं. 528/5/86-सा. शु. (टा. य.)]

No. 267/86-CUSTOMS

सारणी

G.S.R. 686(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Cellulose Acetate Flakes, falling within Chapter 39 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) when imported into India for the manufacture of cellulose acetate moulding granules, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 50 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 268/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 687(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, इससे उपबद्ध सारणी के स्तंभ (3) में विनिर्दिष्ट और सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूची के उस अध्याय संख्यांक के अन्तर्गत आने वाले माल को जो उक्त सारणी के स्तंभ (2) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट है, तब जब एक्स-रे इमेज संघनन प्रणाली के विनिर्माण हेतु भारत में उसका आयात किया जाए, द्वितीय उल्लिखित अधिनियम का उक्त पहला अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के उतने भाग से छूट देता है जितना मूल्य के 40 प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का बंधनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

- उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा ; और
- वह, ऊपर शर्त (क) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतना रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्दिष्ट छूट क न किए जाने की दशा में उक्त आयातित माल को ऐसा मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले हों संवत् शुल्क के अंतर के बराबर हो ।

क्रम सं.	सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 का पहला अनुसूची का अध्याय सं.	माल का वर्णन
(1)	(2)	(3)
1.	अध्याय 85	एक्स-रे इमेज संघनन ट्यूब
2.	अध्याय 85	एक्स-रे इमेज वितरक ऑप्टिक
3.	अध्याय 90	50 एम एम 0.95 उच्च गति लेंस

[फा. सं. 528/5/86-सा. शु. (ट. यू.)]

No. 268/86-CUSTOMS

G.S.R. 687(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in column (3) of the Table hereto annexed and falling within Chapter No. of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table, when imported into India for the manufacture of X-ray image intensifier system from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule to the second mentioned Act, as is in excess of 40 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

Sl. No.	Chapter No. of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975	Description of goods
(1)	(2)	(3)
1.	Chapter 85	X-ray image intensifier Tube
2.	Chapter 85	X-ray image Distributer optics
3.	Chapter 90	50 mm 0.95 high speed lens

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 269/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 688 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, डा. डा. टी. निर्मितियों को (75 प्रतिशत जल में परिकेपणीय चूर्ण 75 प्रतिशत ज. पि. चू.) तक उस

भारत में आयात लोक स्वास्थ्य प्रयोजनों के लिए केवल राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में प्रयोग के लिए किया जाए,—

- (क) समा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) का पहला अनुसूच के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण समा-शुल्क से : और
- (ख) द्वितीय उल्लिखित अधिनियम का धारा 3 के अधिन उस पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से, छूट देता है :

परन्तु यह तब, जब आयातकर्ता इस आशय का एक वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त डा. डी. ट. निमित्तियों का प्रयोग लोक स्वास्थ्य प्रयोजनों के लिए केवल राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम में किया जाएगा, और
- (ख) वह, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने का दशा में, मांग किए जाने पर उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल का ऐसा मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले हा संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य है।

[फा. सं. 528/5/86—सा. शु. (टी. यू.)]

No. 269/86-CUSTOMS

G.S.R. 688(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts D.D.T. formulations (75 per cent water dispersible powder—75 per cent w.d.p.), when imported into India for use exclusively in the National Malaria Eradication Programme for public health purpose, from—

- (a) the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975); and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said D.D.T. formulation shall exclusively be used in the National Malaria Eradication Programme for public health; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 270/86—समा-शुल्क

सा. का. नि. 689 (अ) —केन्द्रीय सरकार, समा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) का धारा 25 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, समाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 39 के अंतर्गत आने

वाले पॉलिटेट्रा फ्लूरोक थाईलोन टेपों को, जब पॉलिटेट्रा फ्लूरोक थाईलोन लेपित तारों या पॉलिटेट्रा फ्लूरोक थाईलोन लेपित केबलों या दोनों, के विनिर्माण के लिए भारत में उनका आयात किया जाए,—

- (क) उक्त पहला अनुसूच में विनिर्दिष्ट के अनुसार उन पर उद्ग्रहणीय समा-शुल्क के उतने भाग से जितना मूल्य के 75 प्रतिशत से अधिक है, और
- (ख) उक्त द्वितीय उल्लिखित अधिनियम का धारा 3 के अधिन उन पर उद्ग्रहणीय सम्पूर्ण अतिरिक्त शुल्क से ;

इस शर्त के अधीन रहते हुए छूट देती कि आयातकर्ता इस आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक समा-शुल्क कलकटर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा ;
- (ग) वह ऐसे हिसाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक रूप से प्रमाणित सन्निधि उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसा बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सहायक समा-शुल्क कलकटर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा ; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल का ऐसा मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले हा संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।

[फा. सं. 528/5/86—सा. शु. (टी. यू.)]

No. 270/86-CUSTOMS

G.S.R. 689(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts Polytetra Fluoroethylene Tapes falling within Chapter 39 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India for the manufacture of Polytetra Fluoroethylene insulated wires or Polytetra Fluoroethylene insulated cables, or both, from :—

- (a) so much of that portion of the duty of customs leviable thereon, which is specified in the said First Schedule, as is in excess of 75 per cent ad valorem; and
- (b) the whole of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act;

subject to the condition that the importer furnishes an undertaking to the effect that :—

- (a) the said imported goods shall be used for the purposes specified above;

- (c) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 271/86 सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 690 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अध्याय 29 के अंतर्गत आने वाले माल को, जब भारत में उनका आयात क्लोरोमफेनिकोल चूर्ण या क्लोरोमफेनिकोल पामोटेड के विनिर्माण के लिए किया जाए, उक्त पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उस पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के 60 प्रतिशत की दर पर संगणित रकम से अधिक है :

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है कि—

(क) उक्त माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ; और

(ख) वह, ऊपर (क) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिवचना में अन्तर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।

अनुसूची

1. एल—आधार
2. आर—आधार
3. एस—आधार

[फा. सं. 528/5/86-सी.शु.(टी.यू.)]

No. 271/86-CUSTOMS

G.S.R. 690(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in the Schedule below, falling within Chapter 29 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of

1975), when imported into India for the manufacture of chloramphenicol powder or chloramphenicol palmitate, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the said First Schedule as is in excess of the amount calculated at the rate of 60 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

SCHEDULE

1. L—Base.
2. R—Base.
3. S—Base.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 272/86 सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 691 (अ) :—केन्द्रीय सरकार सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, लीड ग्लास की ट्यूबों और राडों को, तब जब वेगुन पैम्पों और पेलोरोजेट ट्यूबों के लिए सघटकों के विनिर्माण हेतु भारत में उनका आयात किया जाए सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट के अनुसार उन पर उद्ग्रहणीय सीमा शुल्क के उतने भाग से छूट देती है जितना मूल्य के 40 प्रतिशत से अधिक है :

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचन पत्र प्रस्तुत करता है कि—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए किया जाएगा, और

(ख) वह, ऊपर का शर्त (क) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिवचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अंतर के बराबर हो।

2. यह अधिवचना 30 सितम्बर 1986 तक जिसमें यह तारीख भी है, प्रवृत्त रहेगी।

[फा. सं. 528/5/86 सी.शु.(टी.यू.)]

No. 272/86-CUSTOMS

G.S.R. 691(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts lead glass tubings and rods, when imported into India for the manufacture of

components for electrical lamps and fluorescent tubes, from so much of that portion of the duty of customs leviable thereon which is specified in the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) as is in excess of 40 per cent ad valorem :

Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above; and
- (b) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein, and that already paid at the time of importation.

2. This notification shall be in force upto and inclusive of the 30th day of September, 1986.

[F. No. 528/5186-CUS(TU)]

सं. 273/86 सीमा शुल्क

सा. का. नि. 692 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 158 सीमा शुल्क तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में प्रथम परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह तब जबकि आयातकर्ता इस आशय का बचनबद्ध प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त आयातित माल का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर अभिप्राप्त और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का लेखा सीमा शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान को परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से अभिप्राणित किए गए ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसे बड़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, शर्त ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले हो संवत् शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो ।

[फा. सं. 528/5186-सी.शु.(टी.यु.)]

No. 273/86-CUSTOMS

G.S.R. 692(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs

Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 158-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely :—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

* Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow, and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5186-CUS(TU)]

सं० 274/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 693(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं. 217-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात् :—

"परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का बचनबद्ध पत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा ;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

- (घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु० (टी०यू०)]

No. 274/86—CUSTOMS

G.S.R. 693(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. 217-Customs, dated the 2nd August, 1976, namely :—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation”.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं० 275/86-सीमा-शुल्क

सा०का०नि० 694(घ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिसूचना सं० 389-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, परन्तु के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तु रखा जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करता है कि—

- उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- उपयुक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गये और उपयोग में लाये गये उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा ;
- वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”।

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु० (टी०यू०)]

No. 275/86—CUSTOMS

G.S.R. 694(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking, No. 389/76-Customs dated the 2nd August 1976, namely :—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation”.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं० 276/86-सीमा शुल्क

सांका०नि० 695(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग (राजस्व खण्ड) की अधिसूचना सं० 114-सीमा शुल्क, तारीख 1 जुलाई, 1977 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, परन्तु के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तु रखा जायेगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करता है कि—

(क) उक्त संघटक पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त संघटक पुर्जों का हिसाब सहायक सीमा शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त संघटक पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमा शुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु०(टी०यू०)]

No. 276/86-CUSTOMS

G.S.R. 695(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No. 114-Customs, dated the 1st July, 1977, namely :—

In the said notification, for the first proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

(a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the

premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं० 277/86-सीमा-शुल्क

सांका०नि० 696(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 39-सीमा-शुल्क, तारीख 15 फरवरी, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (ii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्तें रखी जायेगी/रखा जायेगा, अर्थात् :—

“(ii) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करेगा—

(क) उक्त संघटित पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जायेगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त संघटित पुर्जों का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त संघटित पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु०(टी०यू०)]

No. 277/86-CUSTOMS

G.S.R. 696(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department

of Revenue) No. 39-Customs dated the 15th February, 1979, namely:—

In the said notification for the condition (ii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(ii) the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said component parts shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं० 278/86-सीमा-शुल्क

ना०का०नि० 697(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 45—सीमा-शुल्क, तारीख 1 मार्च, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, इनके परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह और कि जब आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करता है:—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा,

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जायेगा,

(ग) वह ऐसे दिनांक की विनिर्माता द्वारा सत्य रूप में प्रमाणित मोक्षति उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के माध्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्तें (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उक्त रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदाय शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु०(टी०यु०)]

No. 278/86-CUSTOMS

G.S.R. 697(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 45-Customs, dated the 1st March, 1979, namely:—

In the said notification, for the second proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided further that the importer furnishes an undertaking to the effect that:—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified in the first proviso;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture shall be produced within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow;
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं० 279/86-सीमा-शुल्क

ना०का०नि० 698(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 64-सीमा-शुल्क, तारीख 6 मार्च 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर, निम्नलिखित परन्तुक रखा जायेगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह तब जब आयातकर्ता इस आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करता है कि—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त आयातित माल का हिमाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिमाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संश्लिष्ट उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में 3 मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतने रुकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु०(टी०यू०)]

No. 279/86-CUSTOMS

G.S.R. 698(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 64-Customs, dated the 6th March, 1979, namely :—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods

but for the exemption contained here and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं० 230/86-सीमा-शुल्क

सा०का०नि० 699(घ) :—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं० 138-सीमाशुल्क, तारीख 27 जून, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (2) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जायेगी, अर्थात् :—

“(2) परन्तु यह तब जब आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करेगा—

- (क) उक्त वरी पैच शीव स्टैप रहित स्पिंडिल गति रेयुलेटर के आयातित पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिये किया जायेगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिये विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किये गये और उपयोग में लाये गये उक्त वरी पैच शीव स्टैप रहित स्पिंडिल गति रेयुलेटर के आयातित पुर्जों का हिमाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जायेगा;
- (ग) वह ऐसे हिमाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संश्लिष्ट उक्त वरी पैच शीव स्टैप रहित स्पिंडिल गति रेयुलेटर के आयातित पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किये जाने पर, उतने रुकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिये जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा० सं० 528/5/86-सी०शु०(टी०यू०)]

No. 280/86-CUSTOMS

G.S.R. 699(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 138/79-Customs dated the 27th June, 1979, namely :—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely :—

“(2) The importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;

- (b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 281/86—सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 700(अ)—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 103-सीमाशुल्क, तारीख 1 अप्रैल, 1981 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्:—

"परन्तु यह तब जब आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का बचनपत्र प्रस्तुत करता है—

- (क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;
- (ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान पर के परिसर में प्राप्त के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्घृणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संबन्धित शुल्क के अन्तर के बराबर हो।"

[फा.सं. 528/5/86—सी.शु. (टी.यू.)]

No. 281/86-CUSTOMS

G.S.R. 700(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 103-Customs, dated the 1st April, 1981, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

"Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus (TU)]

सं. 282/86—सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 701(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 155—सीमाशुल्क, तारीख 28 मई, 1981 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (ii) और (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(ii) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का बचनपत्र प्रस्तुत करेगा—

- (क) उक्त आयातित पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित पुर्जों का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उक्त आयातित पुराई के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साध्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कन्वर्टर अनुज्ञात कर, प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह, ऊपर की शर्तें (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिनियम में अतिविष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा. स. 528/5/86—सा.शु. (टी.यू.)]

No. 282/86-CUSTOMS

C.S.R. 701(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 155/81-Customs, dated the 28th May, 1981, namely:—

In the said notification, for conditions (ii) and (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(ii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that:—

(a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported parts but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 283/86—सीमाशुल्क

सा.का.नि 702(घ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि

लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 153/82—सीमाशुल्क, तारीख 18 मई, 1982 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित परन्तु रखा जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु यह तब जब आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का बचनपत्र प्रस्तुत करता है,—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कन्वर्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साध्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कन्वर्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्तें (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अतिविष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा. स. 528/5/86—सा.शु. (टी.यू.)]

No. 283/86-CUSTOMS

G.S.R. 702(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 153/82-Customs, dated the 18th May, 1982, namely:—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely:—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

(a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus (TU)]

स. 284/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 703(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 29/83—सीमाशुल्क, तारीख 25 फरवरी, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्—

"(iii) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा ;

(क) उक्त सघटित पुर्जों (जिनमें ईंधन सक्षम मोटर कारों के अर्ध तैयार दशा में पैक और पूर्ण तैयार दशा में पैक भी हैं) का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त सघटकों का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा ;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संहिता उक्त सघटकों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।"

[सा.स. 528/5/86-सी.शु.(टी.यू.)]

No. 284/86-CUSTOMS

G.S.R. 703(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 29/83-Customs, dated the 25th February, 1983, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

"(iii) the importer furnishes an undertaking to the effect that :

(a) the said components (including components of fuel efficient motor cars in semi-knocked down packs and completely knocked down packs) shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said components but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

स. 285/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 704(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मन्त्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 2/83—सीमाशुल्क, तारीख 1 जनवरी, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखा जाएगा, अर्थात्—

"परन्तु यह तब जब आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा ;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संहिता उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट

के न दिए जाने का दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणाय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदस्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फ. स. 528/5/86—सी.शु. (टा.यू.)]

No. 285/86-CUSTOMS

G.S.R. 704(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 2/83-Customs dated the 1st January, 1983, namely :—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above ;
- (b) that he shall maintain an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing the receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 286/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 705(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की प्रविष्टि सं० 30/83—सीमाशुल्क, तारीख 25 फरवरी, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(iii) आयातकर्ता निम्नलिखित आदेश का पक्षनपत्र प्रस्तुत करेगा:—

- (क) उक्त सघटकों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त सघटकों/आयातित माल

का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा ;

(ग) वह ऐसी हिसाब को विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उक्त सघटकों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्रसूति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुमत कर, प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह, ऊपर का शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने का दशा में, भाग किए जाने पर, उक्त नक़्क़ा का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अतिरिक्त छूट के न दिए जाने का दशा में उक्त आयातित माल का ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणाय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदस्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फ.स. 528/5/86—सी.शु. (टा.यू.)]

No. 286/86-CUSTOMS

G.S.R. 705(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 30-Customs, dated the 25th February, 1983, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- (a) the said components shall be used for the purpose specified above ;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manners specified by the Assistant Collector of Customs ;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus (TU)]

सं. 287/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 706(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित

में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 118/83—सीमाशुल्क, तारीख 4 मई, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (2) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(2) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा;—

(क) उक्त संघटक पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त संघटक पुर्जों के आयातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संश्लिष्ट उक्त संघटक पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 287/86-CUSTOMS

G.S.R. 706(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 118/83-Customs, dated the 4th May, 1983, namely:—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely:—

“(2) the importer furnishes an undertaking to the effect that—

(a) the said component parts shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said component parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said component parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow: and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said component parts but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 288/86 सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 707(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 320 सीमा-शुल्क, तारीख 21 दिसम्बर, 1983 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:

उक्त अधिसूचना में, शर्त (3) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:

“(3) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा

(क) उक्त संघटकों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त संघटकों का हिसाब सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा;

(ग) यह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित संश्लिष्ट उक्त संघटकों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करे, और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[फा.सं. 528/5/86/सी.शु. (टी.यू.)]

No. 288/86 CUSTOMS

G.S.R. 707(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 320/83-Customs, dated the 21st December 1983, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

(a) the said components shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”.

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं 289/86-सीमा-शुल्क

सा का.नि. 708(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 157/84-सीमाशुल्क, तारीख 19 मई, 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (ग) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्—

“(ग) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करेगा—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा

(ख) उद्येका प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब महाप्रक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जाएगा ,

(ग) वह ऐसे टिप्पण की विनिर्भाता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्ति उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परस्पर ये प्राप्ति के माध्य के रूप में तीन मान की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो महाप्रक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञान करे, प्रस्तुत करेगा , और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उक्त रकम का मदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न लिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पड़े ही मदत शुल्क के अन्तर के बराबर हो।”

[सा सं 523/5/86/सी ज(टी य)]

No. 289/86-CUSTOMS

G.S.R. 708(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 157/84-Customs dated the 19th May, 1984, namely :—

In the said notification, for condition (c), the following condition shall be substituted, namely :—

“(c) the importer furnishes an undertaking to the effect that—

(a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above :

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86 Cus(TU)]

सं 290/86-सीमा-शुल्क

सा का.नि. 709(अ).—केंद्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 210/सीमा-शुल्क, तारीख 10 मगस 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है अर्थात्—

उक्त अधिसूचना में परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित परन्तु रखी जायेगा —

“परन्तु यह तब जबकि आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबंध प्रस्तुत करता है कि

(क) उक्त आयातित माल का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ,

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का एक लेखा सीमाशुल्क महाप्रक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा .

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञान करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही प्रदत्त शुल्क के अंतर के समतुल्य हो।

[फा.सं. 528/5/86/सी.शु. (टी.यू.)]

No. 290/86-CUSTOMS

G.S.R. 709(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 219/84-Customs, dated 10th August 1984, namely :—

In the said notification, for the proviso, the following proviso shall be substituted, namely :—

“Provided that the importer furnishes an undertaking to the effect that :—

- (a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 291/86-सीमा-शुल्क

या का.नि. 710(अ) —केंद्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित 135 GI/86—3

में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 247 सीमा-शुल्क, तारीख 27 सितम्बर 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (2) और शर्त (3) के स्थान पर निम्न लिखित शर्तें रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“(2) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचन-पत्र प्रस्तुत करेगा—

(क) उक्त मघटको और उपस्करों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त मघटको और उपस्करों का हिमाय सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा।

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्ति उक्त सबटकों और उपस्करों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साक्ष्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञान करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतने रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही प्रदत्त शुल्क के अंतर के बराबर हो।”

[फा सं० 528/5/86.सी.शु. (टी.यू.)]

No. 291/86-CUSTOMS

G.S.R. 710(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 247/84-Customs, dated the 27th September, 1984, namely :—

In the said notification, for conditions (2) and (3), the following condition shall be substituted namely :—

“(ii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

(a) the said components and equipments shall be used for the purpose specified above;

(b) an account of the said components and equipments received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components and equipments in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said components and equipments but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”.

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 292/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 711(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 254-सीमाशुल्क तारीख 8 अक्टूबर 1984 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक बचनबंध प्रस्तुत करेगा कि—

(क) उक्त आयातित माल का उपयोग पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साथ स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा ;

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 292/86 CUSTOMS

G.S.R. 711(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 254-Customs, dated 8th October, 1984, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

(a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above ;

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”.

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 293/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 712(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 268/84 सीमाशुल्क तारीख 30 अक्टूबर, 1984 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में, शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(iii) आयातकर्ता इस आशय का बचनबंध प्रस्तुत करेगा कि—

(क) उक्त संघटकों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त की गई और उपयोग में लाए गए उक्त संघटकों का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साथ स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों के उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 293/86—CUSTOMS

G.S.R. 712(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so

to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, (Department of Revenue) No. 268/84-Customs, dated the 30th October, 1984, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- (a) the said components shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 294/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 713(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 7-सीमाशुल्क, तारीख 16 जनवरी, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (3) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(3) आयातकर्ता इस आशय का बचनबन्ध प्रस्तुत करेगा कि—

- (क) उक्त संघटक या माल का उपयोग पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त संघटक या माल का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा,
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटक या माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और
- (घ) वह ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की वशा में, मांग किए जाने पर, उक्त रकम का संशय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्निहित छूट न दिए जाने की

दशा में आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्घाटनीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संसद शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 294/86-CUSTOMS

G.S.R. 713(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 7—Customs, dated the 16th January, 1965, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- (a) the said components or the goods shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said components or the goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components or the goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantities of the said imported components or the goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 295/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 714(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 10-सीमाशुल्क, तारीख 16 जनवरी, 1985 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (3) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(3) आयातकर्ता इस आशय का एक बचनबन्ध प्रस्तुत करेगा कि :—

- (क) उक्त संघटकों का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर अभिप्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त सघटकों का एक लेखा सीमाशुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त सघटकों की प्राप्ति के साध्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखा का एक उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमाशुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह, शर्त ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा.स. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 295/86-CUSTOMS

G.S.R. 714(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Ministry of Finance, Department of Revenue No. 10—Customs, dated the 16th January, 1985, namely:—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- (a) the said components shall be used for the purpose specified above ;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus. (IU)]

सं. 296/86-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 715(अ). —केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान यहो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 39-सीमाशुल्क तारीख 28 फरवरी, 1985 में निम्नलिखित और सशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,—

(क) शर्त (ii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

“(ii) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनपत्र प्रस्तुत करता है,—

(क) उक्त आयातित माल का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित माल का हिसाब सहायक सीमाशुल्क कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में रखा जाएगा ;

(ग) वह ऐसे हिसाब की विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित सक्षिप्त उक्त आयातित माल के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्राप्ति के साध्य के रूप में तीन मास की अवधि या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर, जो सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर उतनी रकम का सदाय करेगा, जो इस अधिसूचना में अन्तर्विष्ट छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो, और”;

(ख) शर्त (iii) और शर्त (iv) के अन्त में आने वाले शब्द “और” का लोप किया जाएगा।

[फा.स. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 296/86-CUSTOMS

G.S.R. 715(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 39-Customs, dated the 28th February, 1985, namely:—

In the said notification (a) for condition (ii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(ii) the importer furnishes an undertaking to the effect that :

(a) the said imported goods shall be used for the purpose specified above ;

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported

goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

(b) the word "and" occurring at the end of condition (iii) and condition (iv) shall be omitted.

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 297/86-सीमा-शुल्क

मा.का.नि. 716(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 75-सीमा-शुल्क, तारीख 17 मार्च, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबद्ध प्रस्तुत करेगा कि:—

(क) उक्त आयातित माल (अपरिष्कृत सामग्री से भिन्न) का उपयोग उपरोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त आयातित माल का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा; और

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

No. 297/86—CUSTOMS

G.S.R. 716(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 75 Customs, dated the 17th March, 1985, namely:—

In the said notification for the condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

"(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that :

(a) the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above ;

(b) an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;

(c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacturer within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and

(d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation."

[F. No. 528/5/86-Cus (TU)]

सं. 298/86-सीमा-शुल्क

मा.का.नि. 717(अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 216-सीमा-शुल्क, तारीख 3 जुलाई, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात्:—

"(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबद्ध प्रस्तुत करेगा कि:—

(क) उक्त संघटकों का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त संघटकों का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का एक उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का संदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अंतर्विष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।"

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

NO. 298/86-CUSTOMS

G.S.R. 717(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue, No. 216-Customs, dated the 3rd July 1985, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

(iii) the importer shall furnish an undertaking to the effect that :—

- (a) the said components shall be used for the purpose specified above ;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c), above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-Cus(TU)]

सं. 299/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 715(अ) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 348/85-सीमा-शुल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबंध प्रस्तुत करेगा कि :—

- (क) उक्त संघटका का उपयोग पूर्वोक्त विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त संघटकों का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;
- (ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त संघटकों की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्घरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बड़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा ; और

(घ) वह ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अतिविष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्घर्णीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”

[फा.सं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

NO. 299/86-CUSTOMS

G.S.R. 718(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), No. 348/85-Customs, dated the 5th of December 1985, namely :—

In the said notification for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

“(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- (a) the said components shall be used for the purpose specified above ;
- (b) an account of the said components received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs ;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said components in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow ; and
- (d) he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं. 300/86-सीमा-शुल्क

सा. का. नि. 719(य) :—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 350/85-सीमा-शुल्क तारीख 5 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक वचनबंध प्रस्तुत करेगा कि :—

- (क) उक्त आयातित माल (अपरिष्कृत सामग्री से भिन्न) का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा ;
- (ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त माल का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा ;

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखाओं का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अर्तविष्ट छूट न दिए जाने की दशा में, उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”।

[फा स. 528/5/86-सी शु (टी यू)]

NO. 300/86-CUSTOMS

G.S.R. 719(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 350/85-Customs, dated the 5th December 1985, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely:—

“(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
- an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- he shall pay, on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

सं 301/86-सीमा-शुल्क

सा का नि 720(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समझाना हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं 351/85-सीमा-शुल्क, तारीख 5 दिसम्बर, 1985 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में शर्त (iii) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी, अर्थात् :—

“(iii) आयातकर्ता इस आशय का एक बचनबद्ध प्रस्तुत करेगा कि—

(क) उक्त आयातित माल (अपरिष्कृत सामग्री से मिल) का उपयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा,

(ख) पूर्वोक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान में अभिप्राप्त किए गए और उपभोग में लाए गए उक्त माल का एक लेखा सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर द्वारा विनिर्दिष्ट रीति में बनाए रखा जाएगा,

(ग) वह विनिर्माण के स्थान की परिसर में उक्त आयातित माल की प्राप्ति के साक्ष्य स्वरूप विनिर्माता द्वारा सम्यक् रूप से प्रमाणित ऐसे लेखों का उद्धरण 3 मास की अवधि के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई अवधि के भीतर जो सीमा-शुल्क सहायक कलक्टर अनुज्ञात करे, प्रस्तुत करेगा, और

(घ) वह, ऊपर (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असफल रहने की दशा में, माग किए जाने पर, उतनी रकम का सदाय करेगा जो इस अधिसूचना में अर्तविष्ट छूट न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात के समय पहले ही सदत्त शुल्क के अन्तर के समतुल्य हो।”।

[फा स. 528/5/86-सी शु (टी यू)]

NO 301/86-CUSTOMS

G.S.R. 720(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 351/85-Customs, dated the 5th December, 1985, namely :—

In the said notification, for condition (iii), the following condition shall be substituted, namely :—

“(iii) The importer shall furnish an undertaking to the effect that—

- the said imported goods (other than raw materials) shall be used for the purpose specified above;
- an account of the said imported goods received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported goods in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and
- he shall pay on demand in the event of his failure to comply with (a) (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F No 528/5/86-CUS(TU)]

सं 301/86-सीमा-शुल्क

सा का नि 721(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त

शक्तियों का प्रयोग करे, वह समाधान हो जाये कि सशक्त में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना नं. 155-सीमा-शुल्क तारीख 1 मार्च 1986 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् —

उक्त अधिसूचना में, शर्त (1) के स्थान पर निम्नलिखित शर्त रखी जाएगी अर्थात् —

(2) आयातकर्ता निम्नलिखित आशय का वचनान्वित प्रस्तुत करेगा —

- (क) उक्त आयातित पुर्जों का प्रयोग ऊपर विनिर्दिष्ट प्रयोजन के लिए किया जाएगा,
- (ख) उपर्युक्त प्रयोजन के लिए विनिर्माण के स्थान पर प्राप्त किए गए और उपयोग में लाए गए उक्त आयातित पुर्जों का हिसाब सहायक सीमा शुल्क अधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट रीति से रखा जाएगा,
- (ग) वह उसे टिप्पण की विनिर्माण द्वारा सम्यक् रूप में प्रमाणित सशक्त उक्त आयातित पुर्जों के विनिर्माण के स्थान के परिसर में प्रारंभ के सद्य के तार में तौल माप की अवधि या ऐसे बड़ाई गई अवधि के भीतर, या सहायक सीमा शुल्क अधिकारी अनुज्ञान कर, प्रस्तुत करेगा, और
- (घ) वह, ऊपर की शर्त (क), (ख) या (ग) का अनुपालन करने में असमर्थ रहने की दशा में, मांग किए जाने पर, उक्त रकम का सदाय करेगा या इस अधिसूचना में प्रवर्णित छूट के न दिए जाने की दशा में उक्त आयातित माल की ऐसी मात्रा पर उद्घरण्य शुल्क और आयात के समय पहले ही सशक्त शुल्क के अन्तर के बराबर रकम।

[फा. नं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

NO. 302/86-CUSTOMS

G.S.R. 721(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 155-Customs, dated the 1st March, 1986, namely :—

In the said notification, for condition (2), the following condition shall be substituted, namely :—

“(2) the importer furnishes an undertaking to the effect that—

- (a) the said imported parts shall be used for the purpose specified above;
- (b) an account of the said imported parts received and consumed in the place of manufacture for the aforesaid purpose shall be maintained in the manner specified by the Assistant Collector of Customs;
- (c) he shall produce the extract of such account duly certified by the manufacturer evidencing receipt of the said imported parts in the premises of the place of manufacture within a period of 3 months or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow; and

(d) he shall pay on demand, in the event of his failure to comply with (a), (b) or (c) above, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity of the said imported goods but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.”

[F. No. 528/5/86-CUS(TU)]

नं. 303/86-सीमा-शुल्क

सा.का.नि. 722(घ) —केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है भारत सरकार के वित्त मंत्रालय राजस्व और बैंकिंग विभाग या राजस्व और वीमा विभाग या राजस्व विभाग की नीचे अनुसूची में विनिर्दिष्ट अधिसूचनाओं को विखंडित करती है —

अनुसूची

- 1 165/76-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 2 220/76-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 3 226/76-सीमा-शुल्क, तारीख 2 अगस्त, 1976
- 4 208/78-सीमा-शुल्क, तारीख 11 नवम्बर, 1978
- 5 80/79-सीमा-शुल्क, तारीख 31 मार्च, 1979
- 6 120/79-सीमा-शुल्क, तारीख 2 जून, 1979
- 7 324/83-सीमा-शुल्क, तारीख 23 दिसम्बर, 1983
- 8 117/85-सीमा-शुल्क तारीख 1 अप्रैल, 1985

[फा. नं. 528/5/86-सी.शु. (टी.यू.)]

एम.एन. बिश्वास, अव्वर सचिव

NO. 303/86-CUSTOMS

G.S.R. 722(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby rescinds the notifications of the Government of India, Ministry of Finance, Department of Revenue and Banking or Department of Revenue and Insurance or the Department of Revenue, as the case may be, specified in the Schedule below :

SCHEDULE

- 1 165/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 2 220/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 3 226/76-Customs, dated the 2nd August, 1976.
- 4 208/78-Customs, dated the 11th November, 1978.
- 5 80/79-Customs, dated the 31st March, 1979.
- 6 120/79-Customs, dated the 2nd June, 1979.
- 7 324/83-Customs, dated the 23rd December, 1983.
- 8 117/85-Customs, dated the 1st April, 1985.

[F. No. 528/5/86-CUS(TU),
M. N. BISWAS, Under Secy.]